

4<sup>11</sup>/20

पचावली जेश हरे  
 वकील मर गरी के नर नर आगने दिल्ली  
 जरी) काठ गरील मर गरी निर (बुद्ध) इतिहा  
 के अत्र रहे है) पचावली जेशो धन शीपिक एवं  
 तलवार जेश मरठे पर सिपन है) कनीकाले एवं  
 कलिठ न कलिठ कगल पिठे पाठ के वाचक  
 भी जेश नर किठे है) काठ गरील मर गरी  
 निर कोर बुद्ध इतिहा के अत्र रहे है  
 वारी मर गरी अदर जेशी) कदर हापरी एवं अदर  
 वकील मर रवागिक किण्ड जाव है) पचावली  
 फेदल शुभल द्येन कगल है कठ है) नर वकील  
 जाव दारिमल वकाल लेख) अछाल मर है  
 H.C.(F-1)

